ब्रिटीश राजतंत्र में सम्राट के महत्व को स्पष्ट कीजिये।
or,
Q – ब्रिटीश राजतंत्र राजनीतिक विसंगति हो गई है। विवेचना करें।

Ans → इंग्लैण्ड का संवैधानिक इतिहास निरंकुश राजतंत्र (Absolute monarchy) से प्रारंभ होता है। प्रजातंत्र के समय की प्यूरिटन कामनवेल्थ (Puritan Commonwealth) को छोड़कर 10 वर्षों के शासन काल को छोड़कर इंग्लैंड में रोमन काल से आज तक राजतंत्र प्रणाली चली आ रही है। ब्रिटीश राजतंत्र एक पैतृक संस्था (Hereditary Institution) है जिसका नियमन समय-2 पर संसद द्वारा पास किये गये उत्तराधिकार कानूनों (Laws of Succession) द्वारा होता है। आजकल सिंहासन का उत्तराधिकार 1701 के व्यवस्था अधिनियम (Act of Settlement) के अनुसार चलता है। फिलवक्त इंग्लैण्ड के सम्राज्ञी के पद को Queen Elizabeth II सुशोभित कर रही हैं। इन्होंने अपने पिता जार्ज VI की मृत्यु पर सिंहासनासीन हुई क्योंकि यह सबसे बड़ी लड़की थी और पुरुष उत्तराधिकारी कोई नहीं था।

जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है कि इंग्लैण्ड का संविधानिक इतिहास निरंकुश राजतंत्र से प्रारंभ होता है। राजा को प्रजा के जीवन-मृत्यु पर पूर्ण अधिकार था। वही कानून बनाता था, उनको क्रियान्वित करता था और न्याय प्रदान करता था। लेकिन प्रजातंत्रीय विचारधारा के विकास के साथ-2 व्यक्तिगत रूप में राजा (King as a person) के अधिकार संस्थारूपी ताज (Crown as an Institution) में निहित होने लगे। धीरे-2 राजा नाममात्र या केवल संवैधानिक अध्यक्ष या प्रधान (Constitution head) रह गया और उसकी सत्ता का प्रयोग ताज द्वारा होने लगा। राजा एक व्यक्ति के रूप में पैदा होता है, सिंहासन पाता है और अंत में मर जाता है। ताज संस्था के रूप में अनादि और अनन्त है। यह भेद ब्रिटीश संविधान के इस कथन से स्पष्ट हो जाता है—"The King is dead. Long live the King." इस वाक्य के प्रथम भाग में राजा शब्द एक व्यक्ति के लिये प्रयुक्त हुआ है और दूसरे भाग में एक संस्था के लिये। इससे स्पष्ट हो जाता है कि व्यक्तिगत रूप में राजा की मृत्यु हो सकती है किन्तु संस्था के रूप में राजत्व (Kingship) अथवा ताज नहीं मर सकता। वह अमर है।

यह भेद उस संघर्ष के विशेष स्वरूप से पैदा हुआ है जो ब्रिटीश जनता ने राजाओं के अधिकारों के विरुद्ध किया। उन्होंने राजत्व (Monarchy) का अंत नहीं किया बल्कि समय-2 पर राजाओं को अपने अधिकारों का निश्चित नियमों के अनुसार उपभोग करने के लिये बाध्य किया। धीरे-2 राजाओं ने अपने अधिकार मंत्रिपरिषद और संसद के हाथों में सौंप दिये। राजत्व (Monarchy) अभी भी बाकी है परन्तु इसे लोकतंत्र के ढाँचे में फिट कर दिया गया है। आज ग्रेट ब्रिटेन की रानी संसदीय लोकतंत्र की नाममात्र की तथा वैधानिक प्रधान है। निस्सन्देह वह ताज पहनती है और उसे बड़ा मान प्राप्त है, परन्तु वह किसी सत्ता का उपभोग नहीं करती। जो अधिकार किसी समय राजा के पास होते थे अब वह एक ताज को सौंप दिये गये हैं। राजा और ताज का भेद केवल औपचारिक है। कानून इसे स्वीकार नहीं करता। कानून के सिद्धांत में अभी भी राजा ही सारी सत्ता का स्रोत

Scanned with CamScanner

है।

Powers of the Crown or the King :-

सम्राट या राजमुकुट (ताज) की शक्तियाँ

जैसा कि कहा जा चुका है ब्रिटेन में सम्राट राज्य का प्रधान है। जब हम "ताज" शब्द का प्रयोग करते हैं तो इसके अंतर्गत सम्राट की शक्तियां भी आती हैं। इस दृष्टि से सम्राट की शक्तियों का अर्थ है ताज की शक्तियां। सम्राट या ताज की शक्तियों को निम्नलिखित शीर्षकों के अंदर रखा जा सकता है —

1. कार्यपालिका शक्तियां (Executive Powers) → ताज राज्य का मुख्य कार्यपालिका अध्यक्ष है। समस्त प्रशासन सम्राट अथवा सम्राज्ञी (His Majesty and Her Majesty) के नाम से चलाया जाता है। सम्राट को निम्न कार्यपालिका शक्तियां प्राप्त हैं -

(a) वह राष्ट्रीय कानूनों को क्रियान्वित करता है।

(b) वह प्रधानमंत्री तथा मंत्रिमंडल के सदस्यों के अतिरिक्त देश के उच्चतर पदाधिकारियों की नियुक्ति करता है।

(c) देश के प्रशासन का नियंत्रण तथा संचालन करता है।

(d) वह राष्ट्रीय कोष का नियंत्रण एवं संचालन करता है।

(e) वह सेना का सर्वोच्च कमांडर है। इस हैसियत से सैन्य गतिशीलता एवं संचालन में उसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

संक्षेप में सैद्धांतिक रूप से आंतरिक क्षेत्र में समस्त कार्यपालिका शक्तियों का प्रयोग सम्राट के नाम से होता है।

2. विधायिनी शक्तियाँ (Legislative Powers) → सम्राट ब्रिटीश संसद का प्रधान है। संसद को बुलाना, भंग करना तथा विघटित करना इसी के हाथ में है। संसद द्वारा पास किये गये सभी विधेयकों पर सम्राट या सम्राज्ञी की स्वीकृति आवश्यक है। ब्रिटीश संसद में राजा एवं दोनों संसद सदन सम्मिलित हैं। संसद का प्रत्येक अधिवेशन सम्राट या सम्राज्ञी के भाषण से प्रारंभ होता है। अधिराज्यों के संबंध में उसे अध्यादेश (Ordinance) जारी करने तथा लार्डसभा के लिये पियर नियुक्त करने का भी अधिकार प्राप्त है। सम्राट को विधायिनी क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण अधिकार प्राप्त है, वह सपरिषद आदेश (Orders in Council) जारी कर सकता है।

3. न्यायिक शक्तियाँ (Judicial Powers) → ताज न्याय का स्रोत है। राज्याध्यक्ष होने के कारण सम्राट को कतिपय न्यायिक शक्तियां भी प्राप्त हैं। पूरी न्याय पद्धति सम्राट के नाम पर कार्य करती है। सम्राट न्यायधीशों की नियुक्ति करता है तथा संसद के अनुरोध से उन्हें पदच्यूत भी कर सकता है। सम्राट को क्षमा (Pardon) तथा प्रविलम्बन (Repriere) के अधिकार प्राप्त हैं।

4. वित्तीय शक्तियां (Financial Powers) → संसद के सम्मुख पेश होने वाले वार्षिक बजटों के संबंध में सम्राट की प्रमुख भूमिका है। सम्राट की ओर से बजट कामन्स सभा में प्रस्तुत किया जाता है। चूंकि सम्राट राष्ट्रीय कोष का नियंत्रण तथा संचालन करता है तथा अंतरिम काल के लिये आकस्मिक

Scanned with CamScanner

निधि से सरकार को व्यय करने के लिये राशि प्रदान कर सकता है।

5. धार्मिक मामलो में शक्तियाँ (Powers regarding Ecclesiastical Affairs) ब्रिटेन में सम्राट चर्चों का प्रमुख माना जाता है। यह धर्म रक्षक है। बड़े पादरियो (आर्क बिशप), पादरियो (बिशपों) तथा गिरजे (चर्च) के अन्य उच्चाधिकारियो की नियुक्ति यही करता है। यह चर्च सम्मेलन बुलाता है। चर्च सम्मेलनो द्वारा पारित नियमो पर सम्राट का हस्ताक्षर होता है।

6. वैदेशिक मामलो के संबंध में अधिकार (Powers Regarding Foreign Affairs)→ वैदेशिक मामलो के संबंध में सम्राट को व्यापक अधिकार प्राप्त है। वह विदेश भेजे जाने वाले उच्चायुक्तो (High Commissioner) तथा राजदूतो, राजनीतिक प्रतिनिधियो की नियुक्ति करता है तथा विदेश से आने वाले राजदूतो एवं राजनीतिक प्रतिनिधियो का प्रमाण पत्र ग्रहण करता है। वह युद्ध और संधि की घोषणा करता है। सम्राट राष्ट्रमंडल का अध्यक्ष है। वह उपनिवेशो तथा इर-2 के अधीन प्रदेशो के शासन का भी अध्यक्ष होता है। राष्ट्रमंडलीय देशो का प्रतीकात्मक प्रधान है।

Real Position of the British king :-

ब्रिटीश सम्राट की वास्तविक स्थिति :- यद्यपि उपर्युक्त सभी अधिकारो का प्रयोग राजा के नाम पर होता है तथापि यह सभी अधिकार ताज के है जो राजा या रानी, प्रिवी कौंसिल, मंत्रिपरिषद और किसी हद तक संसद का कटु समन्वय है। व्यक्तिगत रूप में राजा ताज का केवल एक अंग है। ब्रिटेन में राजतंत्र और लोकतंत्र दोनो तत्वो का समन्वय है। सम्राट ने आजतक जनता के प्रतिनिधि, प्रधानमंत्री तथा मंत्रिमंडल के परामर्श से काम किया है। यही कारण है कि वहाँ राजतंत्र अभी तक बरकरार है।

ब्रिटेन में सिद्धांत और व्यवहार में बड़ा अंतर है। सैद्धांतिक दृष्टि से सभी शक्तियो का स्त्रोत होते हुये भी सम्राट व्यवहार में शून्य है। फाइनर का कहना है कि — यह विशाल गगन चुंबी तथा वैभवपूर्ण अट्टालिका है जिसके अंदर राजनीतिक शक्ति का एक शून्य स्थान है। सम्राट की वास्तविक स्थिति इस कथन से भी स्पष्ट हो जाती है कि - सम्राट कोई गलती नही कर सकता। "The king can do no wrong" निम्नलिखित बिंदुओ से सम्राट की वास्तविक स्थिति का पता चलता है —

(a) सम्राट मंत्रिमंडल के परामर्श के बिना कोई कार्य नही कर सकता।

(b) राज्य के प्रशासन के लिये मंत्रिमंडल कामन्स सभा के प्रति उत्तरदायी है न कि सम्राट के प्रति।

(c) सम्राट एक सांविधानिक प्रधान है। वास्तविक शक्तियां प्रधानमंत्री और मंत्रिमंडल में निहित है।

(d) विधायनी क्षेत्र में भी सम्राट अपनी समस्त शक्तियो का प्रयोग मंत्रिमंडल के परामर्श से करता है।

इस प्रकार सम्राट के बारे में कहा जाता है कि सम्राट राज्य करता है, शासन नही करता। उसके नाम पर उसकी सारी शक्तियो का प्रयोग मंत्रिमंडल करता है। यदि संसद की अनुमति से मंत्री उसके सामने

Scanned with CamScanner

उसकी मौत का वारंट भी रख दे तो उसे स्वीकृति देने से इंकार नहीं कर सकता।

सम्राट शक्तियों का अधिकारी नहीं किन्तु प्रभाव का प्रतीक माना जाता है। जेनिंग्स के अनुसार – ताज क्षमता नहीं, सत्ता प्रदान करता है। सम्राट शक्तिहीन होते हुये भी प्रशासन में अपना प्रभाव रखता है। सम्राट का पद महत्व तथा प्रभाव का है। ब्रिटेन का इतिहास इस बात का साक्षी है कि अनेक अवसरो पर सम्राट या सम्राज्ञी महत्वपूर्ण निर्णय लिये हैं। अंततः हम बेजहॉट के इस कथन को उद्धृत कर सकते हैं कि ब्रिटेन में सम्राट के तीन राजनीतिक अधिकार हैं – परामर्श देने का अधिकार, प्रोत्साहन देने का अधिकार और चेतावनी देने का अधिकार।

अतः उपर्युक्त विश्लेषण के आधार पर ऐसा कहना उचित जान पड़ता है कि ब्रिटेन में राजतंत्र एक राजनीतिक विसंगति हो गई है। ब्रिटेन के राजनीतिक व्यवस्था में अब इसकी कोई उपयोगिता नहीं रह गई है। एक तरह से ऐसा कहा जा सकता है कि ब्रिटेन की जनता परम्पराओं का निर्वाह कर रही है। बहुत दिनों से चली आ रही इस प्रथा को सम्मानता के साथ जारी किये हुये हैं।

—x—

Scanned with CamScanner